

ont>

Title: Regarding reported derogatory remarks made by the Chief Minister of Uttar Pradesh about the Members of Lok Sabha.

**श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) :** माननीय उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन में 21 अप्रैल, 2003 को माननीय मुलायम सिंह जी के मुख्य मंत्रित्वकाल में विवेकाधीन को के तथाकथित दुरुपयोग के संबंध में उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री द्वारा 135 से अधिक मामले दर्ज करने के बारे में इस सदन में चर्चा हुई थी और सभी दलों के माननीय नेताओं और सदस्यों ने बदले की भावना से की गई उनकी इस कार्रवाई की, इस चर्चा के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की थी और चेयर से आग्रह किया था कि इस संबंध में प्रधान मंत्री जी से बात कर के कोई कोड आफ कंडक्ट मुख्य मंत्रियों के लिए बनाया जाए ताकि बदले की भावना से इस प्रकार की कोई कार्रवाई किसी भू.पू. मुख्य मंत्री के खिलाफ नहीं की जा सके।

उपाध्यक्ष महोदय, इन बातों के संबंध में माननीय मायावती जी, मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, जो मनुवादी बातों से सदैव बहुत चिन्तित रहती हैं, उन्होंने संसद में हुई चर्चा को कहा कि लोक सभा मनुवादियों की जमात है।

महोदय, मैं दूसरी बात कहना चाहता हूँ कि मायावती ने कहा है कि संसद का मनुवादी चेहरा उजागर हुआ है। मेरे पास उनके द्वारा कही गई बातें, जो अखबारों में छपी हैं, उनकी कटिंग हैं। उन्होंने कहा है कि मनुवादी मानसिकता से संसद भी ग्रसित है। महोदय, यह पूरे सदन की अवमानना है। मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि इसे सुओमोटो सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेजा जाए। **â€¦ (व्यवधान)**

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, it is a case of privilege. **â€¦ (Interruptions)**

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): Sir, I am on a point of order. **â€¦ (Interruptions)**

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** उपाध्यक्ष महोदय, यह पूरे सदन की अवमानना का प्रश्न है। यह बहुत गम्भीर मामला है। उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री द्वारा ऐसी बातें कह कर संसद की मर्यादा भंग की गई है। किसी प्रदेश के मुख्य मंत्री को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह लोक सभा की इस प्रकार से अवमानना करे। मेरा निवेदन है इस मामले को प्रिविलेज कमेटी को भेजा जाए। यह बहुत गम्भीर सवाल है। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि इस प्रकरण को सदन की विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाए।

SARDAR BUTA SINGH : Sir, I am on a point of order.... **(Interruptions)**

**श्री चन्द्रनाथ सिंह :** उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है। इसे प्रिविलेज कमेटी को भेजा जाए।

**13.00 hrs.**

**MR. DEPUTY-SPEAKER: May I tell you one thing? This is `Zero Hour'. Shri Jha has referred to some remarks made by the Chief Minister of Uttar Pradesh which are derogatory to Lok Sabha. Now, if Shri Jha or anyone else feels that a Privilege Motion has to be moved on this, he is at liberty to do so.**

**...(Interruptions)**

SARDAR BUTA SINGH : Sir, you are the custodian of the House. I am on point of order. Let me make my point... **(Interruptions)**

**MR. DEPUTY-SPEAKER: You are a senior Member and you may be knowing that during `Zero Hour', there is no point of order.**

**...(Interruptions)**

**श्री सुरेश रामराव जाधव :** जीरो ऑवर में कोई प्वाइंट ऑफ आर्डर नहीं होता। **â€¦ (व्यवधान)**

**श्री रामजीलाल सुमन :** उपाध्यक्ष महोदय, इसे प्रीविलेज कमेटी में भेजा जाए। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: If you want to move any privilege motion, you are at liberty. Now, I call Shri Suresh Jadhav.

**...(Interruptions)**

**श्री रामजीलाल सुमन :** उपाध्यक्ष महोदय, रघुनाथ जी ने जो सवाल उठाया है, वह बहुत गंभीर सवाल है। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: You can give me any notice if you want.

**...(Interruptions)**

**श्री रामजीलाल सुमन :** उपाध्यक्ष महोदय, यह सदन की अवमानना का प्रश्न है। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman, you can give me any notice if you want.

**â€¦ (व्यवधान)**

**श्री रामजीलाल सुमन :** महोदय, रघुनाथ जी का अवमानना का नोटिस है। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have called Shri Suresh Jadhav.

...(Interruptions)

श्री रामजीलाल सुमन : रघुनाथ झा जी ने जो सवाल उठाया है,â€ (ब्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You can give me notice.

...(Interruptions)

SARDAR BUTA SINGH : Sir, you can give direction without any notice. There is a rule in this regard...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Point of order is not entertained during `Zero Hour'.

â€ (ब्यवधान)